80वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में शामिल हुए प्रतिनिधियों ने संविधान दिवस के अवसर पर आयोजित मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी की सराहना की

केवड़िया, 27 नवंबर 2020: केवड़िया, गुजरात में आयोजित 80वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के दौरान संविधान दिवस के अवसर पर लगाई गई मल्टी-मीडिया प्रदर्शनी की सांसदों तथा विधायकों सहित सभी प्रतिनिधियों ने व्यापक सराहना की।

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन माननीय लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने 25 नवंबर, 2020 को किया था। इस प्रदर्शनी में संविधान निर्माण की पूरी प्रक्रिया को मल्टी-मीडिया की मदद से सजीव ढंग से दर्शाया गया था जिसकी सराहना करते हुए श्री बिरला ने कहा कि ऐसे इंटरैक्टिव साधनों के उपयोग से जानकारी प्रदान करने की प्रक्रिया रोचक हो जाती है। उन्होंने यह भी कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियों को निश्चित रूप से देश के विभिन्न भागों में लगाया जाया जाना चाहिए ताकि लोगों को हमारी समृद्ध लोकतांत्रिक परंपराओं के बारे में जागरूक बनाया जा सके।

इस प्रदर्शनी में हमारे देश में प्राचीन काल से मौजूद लोकतांत्रिक परंपराओं, संविधान निर्माण प्रक्रिया के विकास, संविधान सभा के वाद-विवाद, मौलिक कर्तव्यों इत्यादि के बारे में जानकारी दी गई। संविधान के निर्माण से जुड़ी घटनाओं और संविधान सभा के महत्वपूर्ण सदस्यों जैसे डॉ. बी०आर० अंबेडकर, सरदार वल्लभ भाई पटेल, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, पंडित जवाहरलाल नेहरू इत्यादि द्वारा दिए गए भाषणों को दर्शाने वाली अभिलेखीय फिल्म फुटेज ने प्रदर्शनी में दर्शकों का मन मोह लिया।

विभिन्न अचल प्रदर्शों के अलावा, प्रदर्शनी में संविधान के संबंध में कई प्लाज्मा डिस्प्ले, संविधान संबंधी इंटरैक्टिव डिजिटल फ्लिप बुक, संविधान सभा के विभिन्न सदस्यों के बारे में जानकारी दर्शाने वाला इंटरैक्टिव आरएफ़आईडी कार्ड रीडर, इंटरएक्टिव स्क्रीन, हमारे राष्ट्रीय प्रतीकों के बारे में जानकारी प्रदान करने वाली डिजिटल टच वाल, भारतीय

संविधान पर दुनिया के अन्य देशों के संविधानों के प्रभाव, प्रारूप समिति के सदस्यों के हस्ताक्षरों के अभिलेखीय प्रदर्शन इत्यादि को भी दर्शाया गया।

इस प्रदर्शनी में विगत वर्षों में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलनों, विभिन्न राज्य विधानसभाओं और उनके भवनों से संबंधित उपयोगी जानकारी और तस्वीरें भी प्रदर्शित की गई थीं।

इस दो दिवसीय प्रदर्शनी का आयोजन लोक सभा सचिवालय के संसदीय संग्रहालय और अभिलेखागार द्वारा सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के आउटरीच और संचार ब्यूरो के सहयोग से आयोजित किया गया।